विद्या भवन बालिका विद्यापीठ,लखीसराय

कक्षा-5 तिथि-06/06/2020

विषय-संस्कृत

सुप्रभात बच्चों,

संस्कृत में चर्तुथ पाठ ' लिंग तथा वचन' के लिंग के बारे में पढ़ चुके हैं ।आज इस पाठ के ' वचन' के बारे में विस्तार से समझेंगे-

चतुर्थ पाठः

लिंग तथा वचन

***वचन**

हिंदी भाषा में दो वचन होते हैं। एकवचन तथा बहुवचन

संस्कृत भाषा में तीन वचन होते हैं-

(1). एकवचन

(2).द्विवचन

(3). बहुवचन

1.एकवचन (Singular)-जो शब्द एक पदार्थ का ज्ञान या बोध कराए , उसे एकवचन कहते हैं।

जैसे- अश्वः = एक घोड़ा

वानरः = एक बंदर

बालक: = एक लड़का

हंसः =एक हंस

***द्विवचन(Duall)- जो शब्द दो पदार्थों का बोध कराए, उसे द्विवचन कहते हैं।**

जैसे- अश्वौ= दो घोड़े

फले= दो फल

बालिके= दो लड़कियां

चटके=दो चिड़िया

***बहुवचन-(Plural) – जो शब्द दो पदार्थों से अधिक का बोध कराए,उसे बहुवचन कहते हैं।**

जैसे- फलानि= बहुत- से फल

गजाः= बहुत-से हाथी

कमलानि= बहुत-सेकमल

शशकाः= बहुत-से खरगोश

क. प्रश्नो के उत्तर दे:-

1.संस्कृत में वचन कितने प्रकार के होते हैं?

2.एकवचन किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखे।

3.द्विवचन किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखे।

4.बहुवचन किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखे।

ख. निम्न शब्दों को वचन के अनुसार अलग-अलग लिखे।

विडालाः, शुकौ,सिंहौ, वृक्षाः , फलम्, , बालिका, पुस्तकानि, सैनिकाः, नयने, नरा ,पात्रम्, वृक्ष, दुग्धम् ,पिकः,चित्रम् , कुक्करः।

Subject Teacher's-Sumita Kumari